

क्या आपका बच्चा अपना स्कूल एंट्री बूस्टर नहीं ले पा रहा है!

सुरक्षा का चक्र पूरा कीजिए

डीटीपी और आईपीवी बूस्टर वैक्सिन्स के साथ



डीटीपी और आईपीवी - डिप्थीरिया, टिटनेस, पर्ट्युसिस और इनेक्टेडेड पोलियोमायलाइटिस वैक्सीन

डीटीपी और आईपीवी वैक्सिन क्या है?

डीटीपी और आईपीवी बूस्टर वैक्सिन्स आपके बच्चे को निम्नांकित के कारण होने वाले संक्रमणों से सुरक्षित रखने के लिए दी जाती हैं।¹

- डिप्थीरिया
- पर्ट्युसिस
- टिटनेस
- पोलियोवायरस

इस वैक्सिन से शरीर अपने लिए इन बीमारियों के विरुद्ध एक ढाल बना लेता है।¹

ये बीमारियाँ कितनी गंभीर होती हैं?

- इन बीमारियों के होने से साँस लेने में तकलीफ, हृदय संबंधी समस्याएँ, मांसपेशियों में ऐंठन और चलने में असमर्थता, लकवा और यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती है।¹



वैक्सिनेशन सबसे सुरक्षित

तरीका है इन बीमारियों से सुरक्षित रहने का²

हमारे लिए क्यों ज़रूरी हैं बूस्टर?

स्कूल की शुरुआत करने वाले बच्चों में इन बीमारियों के अत्यधिक संक्रमित होने की संभावना और उनमें इनके विरुद्ध प्रतिरक्षा कम होना।^{3,4}

एक बार वैक्सिनेशन हो जाने पर बच्चा लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।⁵

एसीवीआईपी के नए दिशा-निर्देशों में स्कूल शुरु करने वाले बच्चों को डीटीपी और आईपीवी बूस्टर शॉट देने की अनुशंसा की गई है।⁵

डीटीपी और आईपीवी स्कूल एंट्री बूस्टरों के रूप में

बूस्टर प्राथमिक टीके (टीकों) या वैक्सिनेशन के पिछले शेड्यूल के अलावा अलग से दिए जा सकते हैं।⁶

ये शुरुआती बचपन से लेकर किशोरावस्था के बूस्टर तक मज़बूत प्रतिरक्षा बनाए रखते हैं।⁷

ये छोटे बच्चों में अच्छी तरह से सहनीय होते हैं।⁸



sanofi



MAT-IN-2300625_0323

Punch

